‘वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट एंड डेजर्ट इको-सिस्टिम ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट’

चर्चा में क्यों?

1 अक्टूबर, 2021 को राजस्थान के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई ने वन विभाग के अग्रिम पंक्ति के कार्मिकों को मरुस्थलीय क्षेत्रों की वानिकी, वन्य जीव संरक्षण के साथ-साथ इससे संबंधित ज्ञानवर्द्धन और प्रशिक्षण देने के लिये ताल छापर में‘**वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट एंड डेजर्ट इको-सिस्टिम ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट**’ का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इससे न केवल कार्मिकों को प्रैक्टिकल ट्रेनिंग मिल सकेगी, बल्कि इससे वन्यजीवों और वनों के संरक्षण-संवर्द्धन में भी सहायता मिलेगी।
- मुख्यमंत्री द्वारा की गई वर्ष 2021-22 के बजट घोषणा की अनुपालना में ताल छापर में वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट एंड डेजर्ट इको-सिस्टिम ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट शुरू किया गया है। इसकी शुरुआत से स्टाफ को **काले हरिण सहित अन्य वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्द्धन की ट्रेनिंग** दी जा सकेगी। साथ ही ग्रास लैंड, डेजर्ट इको-सिस्टिम और उसके आसपास के क्षेत्रों के संबंध में भी स्टडी और ट्रेनिंग हो सकेगी।
- **यह राजस्थान का चौथा ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट** है, जिसमें वन विभाग के स्टाफ की कैपेसिटी बिल्डिंग और ज्ञानवर्द्धन हेतु विभिन्न ट्रेनिंग करवाई जाएंगी।
- वन विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने कहा कि पूरे विश्व में काले हरिणों के संरक्षण के लिये ताल छापर की प्रसिद्धि है। ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के शुरू होने से यह मुहिम और आगे बढ़ेगी, जिससे वन्य जीवों का संरक्षण एवं संवर्द्धन समुचित तरीके से हो सकेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/wildlife-management-and-desert-ecosystem-training-institute